फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 112 प्रभात जयपुर, सोमवार 23 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



The Day Leelki Woke Up

My village now sends two things to the city by truck: its boys and its shrimps

A Silent Protest Against Child Marriage

Facts about Kishangarh Paintings

Artists used natural stone colours prepared from minerals and precious stones, they often took nearly 72 hours to mix and prepare properly before use

भारत यात्रा के पहले दिन बालेन्द्र शाह की जयशंकर से महत्वपूर्ण चर्चा

शाह प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में भारत-नेपाल संबंधों की समीक्षा करेंगे

- **नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ, 34 सदस्यीय उच्चस्तरीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह रविवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। मार्च 2026 में नेपाल के प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

नई दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनसे मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

नेपाली प्रधानमंत्री के स्वागत में विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, बालेन्द्र शाह का नई दिल्ली में राजकीय यात्रा पर हार्दिक स्वागत है।

22 से 23 नवंबर तक चलने वाली अपनी इस यात्रा के दौरान बालेंद्र शाह सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस उच्च-स्तरीय बैठक में भारत-नेपाल संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी और आपसी हित के क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। इसके अलावा वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी शिष्टाचार मुलाकात करेंगे।

नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ 34 सदस्यीय उच्च-स्तरीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है, जिसमें वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले, विदेश मंत्री शिशिर खनाल, मुख्य सलाहकार कुमार ब्यंजनकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

मोदी अपने नेपाली समकक्ष और उनके प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में आधिकारिक दोपहर के भोज की मेजबानी भी करेंगे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिवों का प्रशिक्षण शिविर जयपुर में

- **दस दिवसीय शिविर को राहुल गांधी व खड़गे भी संबोधित करेंगे।**

जयपुर, 22 नवंबर। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिवों का आगामी 30 नवंबर से 9 दिसंबर तक जयपुर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कांग्रेस पार्टी के कई केंद्रीय दिग्गज नेता पार्टी के राष्ट्रीय सचिवों को आवश्यक गुरु ज्ञान और टिप्स देंगे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के भी इस प्रशिक्षण शिविर में पार्टी के राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सपा व कांग्रेस में भाजपा को रोकने की इच्छा नहीं है - चंद्रशेखर आज़ाद

उन्होंने कहा कि यूपी में भाजपा को हराने के लिए बड़े शेयर वाले गठबंधन की आवश्यकता है

- **आज़ाद ने दावा किया कि मायावती के नेतृत्व वाली बसपा में लोगों का विश्वास कम हुआ है। इसीलिए उसका वोट शेयर 21 प्रतिशत से घट कर 9 प्रतिशत रह गया है।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भाजपा को हराने के लिए गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा को एकजुट होकर चुनौती देने के लिए सामाजिक परिवर्तन मोर्चा में शामिल होने के द्वार इन दलों के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीमा पर तनाव कम करने के लिए भारत व चीन के सीमा कमांडरों की बैठक

नागालैंड के डीमापुर में हुई बैठक में ले. जनरल गिरीश कालिया ने भारत का नेतृत्व किया

- **अरूणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के कुछ हिस्सों में लगातार तनाव बना हुआ है। भारतीय और चीनी सैनिक आमने-सामने हैं।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर कड़ाके की ठंड शुरू होने से पहले तनाव कम करने के लिए भारत और चीन के बीच दूसरे दौर की कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है।

नागालैंड के दीमापुर में भारतीय सेना के थर्ड कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने अपने चीनी समकक्ष और अन्य सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत की। इस बैठक में विदेश मंत्रालय (एमईए) के अधिकारी भी मौजूद थे।

इस बातचीत का मकसद दोनों सेनाओं के बीच स्पष्ट कार्य-प्रक्रिया तय करना, गश्ती दलों के बीच टकराव से बचना, बातचीत के रास्ते खुले रखना और स्थानीय स्तर पर होने वाले टकराव को किसी बड़े सैन्य गतिरोध में बदलने से रोकना था।

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अरुणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के कुछ हिस्सों में लगातार तनाव बना हुआ है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दीपक विवाद पर तमिलनाडु सरकार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुँची

- **दीपथून पर दिया जलाने के, शर्तों के साथ दिए गए अंतरिम आदेश के खिलाफ पुर्नविचार याचिका लगाई।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। मदुरै की तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर आस्था और अधिकार की दशकों पुरानी जंग एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की दहलीज पर पहुंच गई है। तमिलनाडु सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग (एचआरसीई) ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश पर पुनर्विचार याचिका दायर की है। इसमें पहाड़ी की चोटी पर स्थित प्राचीन पत्थर के स्तंभ दीपथून पर 24 नवंबर को एक बार के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आइज़नकोट, इज़रायल में सरकार बनाने के नज़दीक पहुँचे

- **उनकी पार्टी की दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी से लंबी वार्ता शीघ्र होगी।**

यरुशलम, 22 नवंबर। इज़रायल की अगली सरकार बनाने की जिम्मेदारी संभाल रहे गादी आइज़नकोट ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी को गठबंधन वार्ता के लिए आमंत्रित किया है। आइज़नकोट की पार्टी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, आइज़नकोट ने शनिवार को अपनी पार्टी यशर की वार्ता टीम को निर्देश दिया कि वह लिकुड के प्रतिनिधियों को लंबे, मैराथन दौर की बातचीत के लिए बुलाए, ताकि एक व्यापक गठबंधन सरकार के गठन की दिशा में प्रगति हो सके। सरकार बनाने के लिए आइज़नकोट के पास दिसंबर तक का समय है।

इस पहल के बाद लिकुड ने भी शनिवार को राष्ट्रीय एकता सरकार के गठन के लिए अपनी शर्तें सामने रखीं।

कुछ ही देर बाद बेयाचद पार्टी के प्रमुख नफ्ताली बैनेट ने लिकुड के साथ "एकता सरकार" बनाने का समर्थन किया। बैनेट ने कहा कि आइज़नकोट के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोदी की सलाह ने लाखों ज्वैलरों को भारी नुकसान से बचाया'

चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने प्रधानमंत्री की सोना नहीं खरीदने की सलाह पर आभार व्यक्त किया

- **सीटीआई चेयरमैन ने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने सोना नहीं खरीदने की सलाह दी थी, तब सोना 1.90 करोड़ प्रति किलो था, जो अब 1.25 करोड़ प्रति किलो रह गया। इस प्रकार प्र.मंत्री की सलाह से 65 लाख रूपए प्रति किलो का नुकसान होने से बच गए।**
- **सीटीआई ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि सोना-चाँदी जैसे संवेदनशील बाज़ार पर सरकार आगे भी समय-समय पर व्यापारियों का मार्गदर्शन करती रहे।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आभार जताया है। सीटीआई ने कहा है कि सोने की खरीददारी को लेकर प्रधानमंत्री की दी गई सलाह ने लाखों व्यापारियों और निवेशकों को भारी नुकसान से बचा लिया। सीटीआई ने कहा कि कुछ महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को सोने की खरीदारी से बचने की सलाह दी थी। उस समय उनकी इस सलाह का काफी विरोध हुआ था, लेकिन आज साबित हो गया कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता ने लाखों व्यापारियों और निवेशकों को भारी नुकसान से बचा लिया।

सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोना न खरीदने की सलाह दी थी, तब सोने का भाव 1 करोड़ 90 लाख रुपये प्रति किलो था। आज सोने का भाव गिरकर 1 करोड़ 25 लाख रुपये प्रति किलो हो गया है। यानी प्रति किलो 65 लाख रुपये की गिरावट आई है। बृजेश गोयल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री की सलाह को नजरअंदाज करके व्यापारियों ने उस समय सोना खरीदा होता, तो आज प्रति किलो 65 लाख रुपये का नुकसान होता। लाखों ज्वेलर कर्ज में डूब जाते, कंगाल हो जाते।

सीटीआई ने कहा कि देशभर के लाखों ज्वेलरी कारोबारी कई-कई महीनों का स्टॉक रखते हैं। अगर उन्होंने 1.90 करोड़ के भाव पर स्टॉक खरीदा होता, तो आज वे करोड़ों के घाटे में होते। ऑनलाइन-ऑफलाइन सोने का व्यापार करने वाले लाखों छोटे ट्रेडर और शेयर बाजार के निवेशकों को भी भारी नुकसान से बचाया गया।

सीटीआई के ग्रुपों में लगातार मैसेज आ रहे हैं कि पीएम मोदी ने बचा लिया। सीटीआई ने कहा कि जिस सलाह का उस समय विरोध हुआ था, आज वही ज्वेलर और व्यापारी कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री सही थे। सीटीआई ने आगे कहा कि अभी शादी का सीजन चल रहा है। सोना सस्ता होने से आम ग्राहक को भी फायदा हो रहा है।

सीटीआई ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि सोने-चांदी जैसे संवेदनशील बाज़ार पर सरकार आगे भी समय-समय पर व्यापारियों को मार्गदर्शन देती रहे, ताकि सट्टेबाजों और जमाखोरों से बाजार को बचाया जा सके।

'हर सभ्यता को बात रखने का बराबर अधिकार मिले'

- **शंघाई सहयोग संगठन ने इन्द्रप्रस्थ घोषणा पत्र जारी किया।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। भारत की मेज़बानी में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभ्यता संवाद मंच में रविवार को इंद्रप्रस्थ घोषणापत्र जारी किया गया। इस दस्तावेज में दुनिया की हर सभ्यता को समान सम्मान और अपनी बात रखने का बराबर अधिकार देने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने और उसकी अवैध तस्करी रोकने की जरूरत भी बताई गई है। तीन दिवसीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रघुराज प्रताप सिंह, उर्फ राजा भैया, जो भदरी के राजपरिवार में जन्मे हैं, सात बार लगातार कुंडा विधानसभा सीट से जीते हैं पर, उनके लंबे राजनीतिक जीवन में उनकी "बाहुबली" की छवि विवादों से परे नहीं रही है

- **यू.पी. में राजपूतों की जनसंख्या लगभग दस प्रतिशत है।**
- **लगभग 80 विधायक व 20 सांसद इस समुदाय के राजनैतिक प्रभाव का जीवन्त प्रमाण हैं।**
- **उनका सबसे लंबा कटु संघर्ष, मायावती से रहा है और मायावती के शासन में उन्हें गिरफ्तार किया गया था, "प्रिवैन्शन ऑफ टैररिज़्म एक्ट (पोटा)" के तहत।**
- **लेकिन 2003 में, जेल से रिहा होने पर, सपा के बड़े-बड़े नेता उनको लेने गए थे और वे अखिलेश यादव की सरकार में मंत्री बने। उसके बाद कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह, राम प्रकाश गुप्ता, मुलायम सिंह यादव व अखिलेश यादव की सरकार में मंत्री बने।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। मंच तो रामकथा के लिए सजा था लेकिन कुंडा से जो राजनीतिक संदेश निकला उसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन था। जब उत्तर प्रदेश के कुछ सबसे प्रभावशाली ठाकुर नेता और बाहुबली, बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की राम कथा में शामिल होने के लिए राजा भैया के गढ़ में पहुंचे, तो यह आयोजन महज एक आध्यात्मिक सभा से कहीं बढ़कर कुछ और ही नज़र आने लगा।

यह शक्ति प्रदर्शन था, राजनीतिक प्रभाव दिखाने का प्रयास था और शायद यह जताने की कोशिश भी थी कि उत्तर प्रदेश में ठाकुर राजनीति पर किसका दबदबा है।

अलग-अलग राजनीतिक दलों और क्षेत्रों के प्रभावशाली नेताओं की मौजूदगी ने इस कथा को 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़े राजनीतिक आयोजन का रूप दे दिया। कुंडा से सात बार विधायक रह चुके राजा भैया के लिए यह ठाकुर समुदाय के प्रभावशाली नेताओं को एक मंच पर लाने का अवसर था।

यह आयोजन राजनीतिक वर्ग को यह संदेश भी था कि उत्तर प्रदेश में ठाकुर वोट बैंक, जो परंपरागत रूप से भाजपा के सबसे मजबूत सामाजिक आधारों में से एक रहा है, को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

इस आयोजन में योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रियों के अलावा, छह बार सांसद रह चुके बृजभूषण शरण सिंह भी शामिल हुए, जिनका पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी प्रभाव है। जौनपुर के प्रमुख राजनीतिक नेता और पूर्व सांसद धनंजय सिंह, पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह, जिनके परिवार का पूर्वांचल में लंबे समय से प्रभाव रहा है, भाजपा विधायक अभय सिंह, जो पूर्व में समाजवादी पार्टी से जुड़े थे और एमएलसी विनीत सिंह सहित, अन्य बहुत से नेता भी मौजूद थे।

दिलचस्प बात यह है कि इसी महीने की शुरुआत में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने "हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट" में उत्तर प्रदेश के कथित माफिया सरगनाओं की जो सूची पढ़ी थी, उसमें लगभग यही नाम शामिल थे। इस सूची में बहुत से बाहुबली ठाकुर नेताओं के नाम थे। अखिलेश ने इस सूची के जरिए योगी आदित्यनाथ सरकार की कानून-व्यवस्था पर हमला किया था।

इस सूची में राजा भैया का नाम प्रमुखता से शामिल था। समाजवादी पार्टी बार-बार भाजपा सरकार पर आरोप लगाती रही है कि वह अन्य जातियों और समुदायों के नेताओं के खिलाफ तो कार्रवाई करती है, लेकिन ठाकुर बाहुबलियों के प्रति नरमी बरतती है। विंडबना यह है कि राजा भैया और समाजवादी पार्टी, जो आज राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के विरोधी खेमों में खड़े दिखते हैं, कभी लंबे समय तक एक-दूसरे के करीबी सहयोगी हुआ करते थे।

उत्तर प्रदेश के कुल मतदाताओं में ठाकुर या क्षित्रय समुदाय की हिस्सेदारी अनुमानित रूप से 10 प्रतिशत है, लेकिन उनका राजनीतिक प्रभाव उनकी संख्या से कहीं अधिक है। राज्य की लगभग 70 से 80 विधानसभा सीटों और करीब 20 लोकसभा सीटों पर इस समुदाय का खास राजनीतिक महत्व है।

चुनाव के बाद किए गए विश्लेषणों के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनावों में करीब 90 प्रतिशत ठाकुर मतदाताओं ने भाजपा का समर्थन किया था, जबकि उत्तर प्रदेश में पार्टी को बड़ा झटका लगा था। सन् 2022 के विधानसभा चुनावों में भी भाजपा के लिए इस समुदाय का समर्थन लगभग 87 प्रतिशत आंका गया था। उन चुनावों में पार्टी ने 71 क्षत्रिय उम्मीदवारों को टिकट दिया था, जिनमें से 43 चुनाव जीतकर विधायक बने थे।

योगी आदित्यनाथ सरकार पर आरोप लगते रहे हैं कि प्रशासन में ठाकुरों का वर्चस्व है। साथ ही, यह भी कहा जाता है कि सरकार ब्राह्मणों तथा अन्य सामाजिक समुदायों की अनदेखी करके मुख्यमंत्री के अपने समुदाय को ज्यादा तरजीह देती है।

भाजपा के भीतर ठाकुरों और ब्राह्मणों के बीच खींचतान समय-समय पर सामने आती रही है, जिससे पार्टी के लिए असहज राजनीतिक परिस्थितियां पैदा हुई हैं। अगस्त 2025 में यह तनाव खुलकर सामने आया था, जब, खबरों के अनुसार, करीब 40 ठाकुर विधायकों ने बैठक की और समुदाय के हितों को मजबूत करने के लिए "कुटुंब", यानी परिवार बनाने पर चर्चा की।

इसके जवाब में, दिसंबर 2025 में ब्राह्मण नेताओं ने भी इसी तरह अपनी ताकत दिखाई। उस समय करीब 52 ब्राह्मण विधायक और विधान परिषद सदस्य लखनऊ में एक साथ जुटे थे, जिसे एक "जन्मदिन समारोह" का नाम दिया गया था। यह जमावड़ा ठीक उसी समय हुआ, जब भाजपा ने ओ.बी.सी. नेता पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

इसलिए कुंडा का यह शक्ति प्रदर्शन भाजपा के लिए यह याद दिलाने जैसा था कि उसका ठाकुर समर्थन आधार राजनीतिक रूप से अभी भी महत्वपूर्ण है और यह समुदाय सत्ता तथा प्रभाव में अपनी हिस्सेदारी की अपेक्षा रखता है। यह बात ऐसे समय में खास मायने रखती है, जब पार्टी पिछड़े समुदायों को अपने साथ जोड़ने और ओबीसी वर्ग में अपना समर्थन बढ़ाकर अपना सामाजिक आधार मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

रघुराज प्रताप सिंह, जिन्हें आमतौर पर राजा भैया के नाम से जाना जाता है, कोई सामान्य क्षेत्रीय नेता नहीं हैं। तीन दशकों से अधिक समय से वे उत्तर प्रदेश के प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं में शामिल रहे हैं। सन् 1993 से वे प्रतापगढ़ जिले की कुंडा विधानसभा सीट पर लगातार अपना कब्जा बनाए हुए हैं।

भदरी के पूर्व राजघराने में जन्मे राजा भैया की राजनीतिक पहचान उनकी शाही पृष्ठभूमि से ज्यादा, कुंडा पर उनकी मजबूत पकड़ के कारण बनी है। उन्होंने 1993 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पहली बार विधानसभा चुनाव जीता था। इसके बाद से वे लगातार सात बार इस सीट से जीत चुके हैं। बदलते राजनीतिक समीकरणों, सरकारों और गठबंधनों के बावजूद, उन्होंने अपनी सीट बरकरार रखी है। इस दौरान उन्होंने अक्सर बड़े राजनीतिक दलों के समर्थन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को भी हराया है। उनकी, राजनीतिक जीवन में विवाद और दबंग नेता की छवि भी रही है। सन् 2003 में मायावती सरकार ने 2003 में उनके खिलाफ आतंकवाद निरोधक कानून (प्रिवेन्शन ऑफ टैररिज़्म एक्ट पोटा) लगाया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)